Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding problems faced by Indians in getting passport related services in foreign countries.

श्री भगवंत मान: मैं बहुत ही गंभीर विषय पर आज बोलना चाहता हूं । विदेशों में जो दूतावास हैं, चूंकि लाखों भारतीय विदेशों में बसते हैं, उनको सुविधा देने के लिए, अगर कोई दिक्कत आए तो उनकी दिक्कतों को ठीक करने के लिए बनाए गए हैं । …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्य आप प्लीज बैठ जाइए । आपने जीरो आवर में जो विषय दिया है, अगर आपको विषय बदलना हैं तो आप मुझसे परमीशन लीजिए । आपका विषय Regarding deduction in salary of teachers in Punjab के बारे में है । माननीय सदस्य, मैं पढ़ा-लिखा अध्यक्ष हूं ।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: कोई भी माननीय सदस्य जीरो आवर के अंदर अपने विषय को परिवर्तन करना चाहता है, तो आप परमीशन लीजिए, मैं आपको परमीशन दूंगा ।

…(व्यवधान)

श्री भगवंत मान : क्या मैं इस विषय पर बोल सकता हूं?

माननीय अध्यक्ष: हां, आपको परमीशन दी जाती है ।

श्री भगवंत मान : विदेशों में जो लाखों की गिनती में भारतीय बसते हैं, उनमें पंजाबी भी बहुत ज्यादा हैं । वहां जो दूतावास हैं, वे भारतीयों को सुविधा देने के लिए बनाए गए हैं, लेकिन जो रिजल्ट आ रहे हैं, जो शिकायतें आ रही हैं, वे उनको दिक्कतें पैदा कर रही हैं । अगर पासपोर्ट बनाना है, पासपोर्ट को रिन्यू कराना है या पोलिटिकल असाइलम का केस है तो वे दिक्कत करते हैं । सऊदी अरब, जहां शरियत के कानून हैं, सऊदी अरब में जो एजेंट हैं, वे सपने दिखाकर यहां से भारतीयों को ले जाते हैं, खास तौर से पंजाबियों को । वे वहां जाकर फंस जाते हैं, उनको स्लेव बना लिया जाता है । जब वे कोई न कोई, किसी न किसी कारण से निकल जाते हैं उनकी कैद से, जब वे भारतीय दूतावास में पहुंचते हैं तो दूतावास वाले कहते हैं कि जहां से आए हो, वहां से एनओसी लेकर आओ । How is it possible?

यह कैसे संभव है कि जिसकी कैद से बचकर आए है, वहां से एन.ओ.सी. कैसे मिल सकती है । मैं यह कहना चाहता हूँ कि यूरोप, अमेरिका, और कनाडा में पासपोर्ट बनाने की यही शिकायतें आ रही हैं । जिन्होंने पॉलिटिकल एसाइलम उनके बच्चों के पासपोर्ट बनाने के लिए लिया तो यह रिश्वत बंद होनी चाहिए । …(व्यवधान)